डी.ई.सी.ई.

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 1 से 3
(जनवरी 2025 एवं जुलाई 2025)

सतत् षिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य–1-3
जनवरी 2025 और जुलाई 2025

कार्यक्रम कोड : डीईसीई

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको तीन सत्रीय कार्य करने हैं। **ये तीनों सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।**

डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए आपको तीनों सत्रीय कार्यों में उत्तीर्ण होना आवष्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क', 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे। आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पड़ेगा।

तीनों सत्रीय कार्यों के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको प्रत्येक पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **प्रत्येक नियमावली में 9 से 10 अभ्यास हैं, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हेतु करने हैं।** प्रत्येक नियमावली में से कौन-से अभ्यास सत्रीय कार्य के लिए करने हैं, यह इस पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे। **फिर भी हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी 9 या 10 अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के कौशल भी विकसित कर पाएंगे और परियोजना कार्य (यानी, पाठ्यम 4) करने में आपको सहायता मिलेगी। साथ ही, सभी अभ्यास करने के बाद आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

सत्रीय कार्यों का उद्देश्य : इन सत्रीय कार्यों का एक उद्देश्य यह मूल्यांकन करना है कि पाठ्यक्रमों में वर्णित संकल्पनाओं को आप कितनी अच्छा तरह समझ पाए हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'क' में दिए गए प्रश्नों से किया जाएगा। इन सत्रीय कार्यों का दूसरा लक्ष्य यह जानना भी है कि आप इन संकल्पनाओं को दिन-प्रतिदिन की स्थितियों में किस हद तक लागू कर सकते हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'ख' और 'ग' में बताए गए प्रयोगात्मक अभ्यासों से किया जाएगा। प्रयोगात्मक अभ्यासों द्वारा आपको बच्चों के विकास के बारे में समझने का अवसर मिलेगा और आप खंडों में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनों को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या .....
सत्रीय कार्य सं.	नाम .....
अध्ययन केंद्र	पता .....
	.....
	दिनांक .....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य –01
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कोर्स कोड : डी.ई.सी.ई – 1
सत्रीय कार्य : डी.ई.सी.ई – 1/TMA-1/2025
जनवरी सत्र के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2025
जुलाई सत्र के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2026
कुल अंक : 100

भाग (क),(ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग क

कुल अंक : 60

1. जीवन के प्रथम दो वर्षो में भाषायी विकास की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

   (500 शब्दों में) (5 अंक)

2. चार वर्ष की उम्र के बच्चों में निम्नलिखित प्रत्येक के विकास को बढ़ावा देने के लिए आप जो एक-एक खेल-क्रिया/गतिविधि आयोजित करेंगे, उसका वर्णन कीजिए :

   क) स्थान की अवधारणा

   ख) सूक्ष्म क्रियात्मक विकास

   ग) सामाजिक-भावात्मक विकास

   घ) कारण–प्रभाव के संबंध को पहचानना

   प्रत्येक गतिविधि/खेल-क्रिया के लिए अपेक्षित सामग्री (ग्रियाँ), यदि कोई हों तो, तथा उसकी विधि, का उल्लेख कीजिए। **(प्रत्येक गतिविधि/खेल-क्रिया 150-200 शब्दों में) (3x4=12 अंक)**

3. बच्चों में आक्रामकता के किन्हीं तीन कारणों पर चर्चा कीजिए। माता-पिता बच्चों के आक्रामक व्यवहार से निपटने के जिन तीन तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं, उनका वर्णन कीजिए। **(500 शब्दों में) (3+3=6 अंक)**

4. माता-पिता के व्यवहार की विभिन्न शैलियों का वर्णन कीजिए। प्रत्येक शैली बच्चे के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव डालती है, चर्चा कीजिए। **(800 शब्दों में) (12 अंक)**

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए।

   (क) दूसरो के परिप्रेक्ष्य को देख पाना

   (ख) दीर्घकालिक लक्ष्य

   (ग) बच्चों के विकास में खेल की भूमिका

   (घ) विकास की निर्णायक अवधियाँ

   (ड) नवजात शिशु की क्षमताएं **(प्रत्येक 300 शब्द: 3 x 5= 15 अंक)**

6. शालापूर्व (इसीसीई) केंद्र में स्थान और खेल सामग्री का मूल्यांकन करते समय आप किन बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे? अपने उत्तर का समर्थन करने के लिए एक चेकलिस्ट बनाएं। **(500 शब्दः 5 अंक)**

7. बाल देखभाल केंद्र की गतिविधियों मे माता–पिता को सम्मिलित करने के लिए, किन्हीं दो तरीकों पर चर्चा करें। **(500 शब्दः 5 अंक)**

भाग (ख)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यो की नियमावली में वर्णित 4,6 या 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैंः

अभ्यास 4

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे तथा माता–पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करनाः **10 अंक**
अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10 अंक**

अभ्यास 6

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे काअवलोकन करना तथा अवलोकनों का रिकार्ड करना : **10 अंक**
अवलोकनों को विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10 अंक**

अभ्यास 7

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना : **5+5= 10 अंक**
मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **5+5= 10 अंक**

भाग (ग)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8या9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपकोखेल क्रियाओं की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 5

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों को रिकार्ड करना:	**10 अंक**
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	**10 अंक**

अभ्यास 8

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना :	**5+5= 10 अंक**
	क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	**5+5= 10 अंक**

अभ्यास 9

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करना:	**2 अंक**
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना:	**6 अंक**
	सप्ताह भर की गतविधियों की अनुसूची बनाना:	**6 अंक**
	गतिविधियों की अनुसूचियों का संक्षिप्त विवरण:	**6 अंक**